भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 626 का उत्तर

प्रस्तावित झालावाड़-उज्जैन रेलवे लाइन

626. श्री दुष्यंत सिंह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नव प्रस्तावित झालावाड़-उज्जैन रेलवे लाइन का ब्यौरा क्या है और इस परियोजना से क्षेत्र को संपर्क सुविधा और आर्थिक विकास के संदर्भ में क्या लाभ होने की उम्मीद है;

(ख) झालावाड़-उज्जैन रेलवे लाइन परियोजना के शुरू होने और पूरा होने की समय-सीमा का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इसके कार्यान्वयन में देरी के कारणों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु उज्जैन-आगर-झालावाड़ नई लाइन (190 कि.मी) के अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी गई है। सर्वेक्षण कार्य शुरू हो चुका है।

परियोजना की मंजूरी के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन जैसे आवश्यक अनुमोदनों की आवश्यकता होती है। चूंकि, परियोजना की मंजूरी सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा तय नहीं की जा सकती।

रेल परियोजनायें क्षेत्रीय संपर्कता, आरामदायक यात्रा प्रदान करती हैं और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं। ये रोज़गार सृजन भी मुहैया कराती हैं और रेल परिचालन के लिए स्वच्छ ऊर्जा माध्यमों के उपयोग द्वारा पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान देती हैं।

रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम छोर सम्पर्कता, छूटे हुए लिंक और वैकल्पिक मार्ग, भीड़भाड़/संतृप्त लाइनों के विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेल की अपनी परिचालनिक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृति दी जाती है, जो चालू परियोजनाओं की प्रगति और धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

******